रेपका के बारे में

रेल पहिया कारखाना/बेला को 01.08.2014 को भारतीय रेलवे का एक उत्पादन इकाई घोषित किया गया। रेल पहिया कारखाना/बेला बिहार (भारत) के सारण जिले के दरियापुर ब्लॉक में अवस्थित है। इस कारखाना की आधारशिला/नींव सन् 29.07.2008 में तात्कालीन रेलमंत्री श्री लालू प्रसाद यादव के द्वारा रखी गई थी। इसकी कुल लागत लगभग 1639.59 करोड़ हैं। यह 295 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। इस परियोजना के निर्माण कार्य की देखरेख वर्कशॉप प्रोजेक्ट, पटना/भारतीय रेलवे द्वारा की जा रही है। रेल पहिया कारखाना, बेला का निर्माण कार्य जुलाई 2008 में शुरू हुई। यह कारखाना उत्तरी बिहार में औद्योगिक पुनरूद्धार की दिशा में एक कदम है। भारतीय रेलवे ने इस परियोजना को मेसर्स/लार्सेन एंड टूब्रो, एक भारतीय कम्पनी को टर्न की प्रोजेक्ट के रूप में सौंप कर इतिहास रचा दिया। भारतीय रेलवे के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक अत्यधिक सोफिसटिकेटेड कारखाना को बिना किसी विदेशी सहायता के स्थापित किया गया। यह रेलवे इंजीनियरों के आंतरिक क्षमता व विश्व प्रसिद्ध भारतीय कम्पनी के विशेषज्ञता से संभव हो पाया है। यह रेलवे इंजीनियरों के आंतरिक क्षमता व विश्व प्रसिद्ध भारतीय कम्पनी के विशेषज्ञता से संभव हो पाया है। रेलवे के लिए, एक ऐसा क्षेत्र जो दोनों तरफ से नदियों से घिरा हुआ है, में कारखाना निर्माण का कार्य करना, चुनौतीपूर्ण था। इस जटिलता के अलावा, जमीन का सतह नदी के तल से भी नीचे था और मिट्टी गीली एवं दलदलपूर्ण थी। इसके लिए पत्थरों का उपयोग करके जमीन के लोड वाहन की क्षमता बढ़ाई गई। उत्पादन गतिविधि 09.11.2011 को शुरू हुआ। रेल पहिया कारखाना/बेला का प्रथम उत्पादन बॉक्स–एन चक्का था, वर्तमान में बॉक्स–एन, बी. जी.सी., बी.एल.सी एवं ई.एम.यू. चक्के का भी उत्पादन किया जा रहा है। रेल पहिया कारखाना यह सुनिश्चित करता है कि जल, वायु, निकास–उज्सर्जन और खतरनाक कचरे का प्रदूषण स्तर निर्धारित सीमा के भीतर है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय/भारत सरकार द्वारा दी गई पर्यावरणीय मंजूरी के अनुसार हमारा प्रयास स्वच्छ एवं हरित क्षेत्र के लिए है। सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रीकृत निगरानी के लिए कारखाना में सीसीटीवी कैमरा है।